DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

। नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । शुक्रवार, 15 जुलाई 2022 S------------------------------DATED--------------------

2500 गेस्ट हाउस चल रहे हैं आग के गोले की तरह

■ प्रस, नई दिल्ली : अर्पित होटल अग्निकांड को दो साल से अधिक का वक्त हो चुका है। न तो गेस्ट हाउसों में आगजनी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कायदे-कानून बने और न ही मालिकों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की गई।

एमसीडी के पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के हेड रहे एक रिटायर्ड अफसर के अनुसार, दिल्ली में करीब 2000-2500 गेस्ट हाउस हैं। ज्यादातर 'आग के गोले' की तरह हैं। 90 प्रतिशत में अलग एंट्री-एग्जिट गेट तक नहीं हैं। सीढ़ियों के स्टेप तय ऊंचाई वाले नहीं हैं। सीढ़ियों की चौड़ाई भी डेढ़ मीटर नहीं है। ऐसे में आग लगती है, तो बड़ा हादसा हो सकता है। 2019 में अर्पित होटल में आग से 17 लोगों की मौत के बाद गेस्ट हाउस में किचन की अनुमति देने का प्रावधान एमसीडी ने वापस ले लिया। लेकिन होटल मालिकों के दबाव और रेवेन्यू जेनरेशन के लिए एमसीडी ने फिर एक बार गेस्ट हाउस में किचन का प्रावधान शामिल करने के लिए प्रस्ताव तैयार किया है।

एक्सपर्ट के अनुसार, आग से बचाव के बुनियादी उपाय तक नहीं

डीडीए के रिटायर्ड टाउन प्लानर आर. जी. गुप्ता के अनुसार, 1999 से पहले दिल्ली में गेस्ट हाउस इक्का-दुक्का ही थे, क्योंकि गेस्ट हाउस खोलने के लिए तब लेआउट प्लान देना पड़ता था। यह किसी के लिए संभव नहीं था। गेस्ट हाउस खोलने के लिए लेआउट प्लान की मुश्किलें दूर करने के लिए एमसीडी नेताओं ने 1999 में नियमों में भारी फेरबदल किया। साल-2000 में सदन ने एक प्रस्ताव (प्रस्ताव संख्या- 435) पास किया, जिसमें यह नियम बनाया गया कि किसी बिल्डिंग का लेआउट प्लान न होने पर भी अस्थायी हेल्थ ट्रेड लाइसेंस दिया जा सकता है। इसके ठीक दो साल बाद 2002 में सदन ने एक प्रस्ताव संख्या-652 पास किया, जिसमे आवासीय इलाकों में भी गेस्ट हाउस चलाने की छूट दे दी गई।

1.16 करोड़ रुपये से बदलेगी महाराणा प्रताप पार्क की सूरत

■ प्रस, कांति नगर : गांधी नगर विधानसभा के तहत आने वाले कांति नगर स्थित महराणा प्रताप पार्क को सांसद गौतम गंभीर के प्रयास से विकसित किया जा रहा है। उन्होंने खुद पार्क में पेड़ लगाकर इसकी शुरुआत की। सांसद की पहल पर डीडीए अब इस पार्क में हाई मास्ट लाइट, फ्लड लाइट, घास, बेंच, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग, जिम, झूले और वॉकिंग ट्रैक सहित अन्य कई तरह की सुविधाएं विकसित की जाएंगी। साथ ही एक मल्टी स्पेशिएलिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स भी बनाया जाएगा। डिवलेपमेंट वर्क पर करीब 1.16 करोड़ रुपये खर्च होंगे। पार्क में आने वाले लोगों की सिक्योरिटी को ध्यान में रखते हुए दो पुलिस बूथ भी बनाए जाएंगे। इस मौके पर बीजेपी के कई नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान

मालिकाना हक के लिए पूर्वी दिल्ली में विशेष कैंप

दिल्ली विकास प्राधिकरण की ओर से दिल्ली में मालिकाना हक दिए जाने का कार्य किया जा रहा है। अगले सप्ताह से पूर्वी दिल्ली में विशेष कैंपों का आयोजन किया जाएगा। सोमवार से पूर्वी दिल्ली के डीडीए समुदायिक केंद्रों में डीडीए अधिकारी जाएंगे और लोगों को जागरूक करेंगे।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

पंजाब केसरी NEWSPAPERS----------DATED 15-07-2022

पार्क सौंदर्यीकरण का श्रेय लेने की होड़ में विधायक-सांसद आमने सामने

सोमवार को महाराणा प्रताप पार्क का जायजा लेने पहुंचे अनिल बाजपेयी तो गुरुवार को सांसद पहुंचे

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): चुनाव के समय आपने नेताओं द्वारा जल्दबाजी में शिलान्यास व उद्घाटन करने की खबरें अकसर सुनी होंगी लेकिन बिना चुनावी हड़बड़ी के भी एक नेता के काम का श्रेय दूसरे नेता द्वारा लिए जाने की बात अपने आप में काफी रोचक लगती है। दरअसल गांधीनगर के विधायक अनिल बाजपेयी ने अपने विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले कांतिनगर इलाके में स्थित महाराणा प्रताप पार्क में सौन्दर्यीकरण व पार्क के हालात को बदलने की दिशा में कई काम करवाये हैं लेकिन उनके इन कामों का श्रेय सांसद गौतम गंभीर लेना चाहते हैं।

अनिल बाजपेयी ने बताया कि गुरुवार को सांसद गौतम गंभीर अपने समर्थकों के साथ पार्क में पहुंचे और उन्होंने यहां सौन्दर्यीकरण व पार्क के हालात में बदलाव कराने के संबंध में बड़ी-बड़ी बातें की जबकि सच्चाई इसके उलट है। विधायक का कहना है जब से उन्होंने अपना पदभार संभाला है तभी से वे इस पार्क के कायाकल्प के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस एक-डेढ किलोमीटर लंबे पार्क में दीवारें बनवायीं, अंदर रास्ते बनवाये और वॉल पेटिंग करवाई। बाजपेयी ने कहा कि मैंने इस पार्क के विकास के लिए विशेष रूप से केन्द्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की और उनसे काम करवाने में मदद मांगी। विधायक का कहना है कि मेरे काम का श्रेय लेने के लिए सांसद अपने समर्थकों के साथ पार्क में गये और लोगों के बीच जाकर पार्क के विकास के संबंध में बड़ी-बड़ी बातें की। इससे पहले सांसद ने कभी पार्क की सुध नहीं ली। अनिल बाजपेयी ने कहा कि अभी इस पार्क में पानी स्टोर करने की सुविधा व संप पंप लगाया जाना है। इसके लिए डीडीए ने जलबोर्ड को लिखा है। विधायक ने कहा कि वे पार्क के विकास के संबंध में शुक्रवार को डीडीए वीसी से भी मुलाकात करेंगे।

इसी क्रम में अनिल बाजपेयी ने गत सोमवार को भी डीडीए अधिकारियों के साथ महाराणा प्रताप पार्क का दौरा किया किया था। वहीं इस मुद्दे पर सांसद गौतम गंभीर के प्रतिनिधि गौरव अरोड़ा ने बताया कि कुछ लोग मनघड़ंत बातें करते हैं। जबकि हकीकत यह है कि फरवरी माह में सांसद गौतम गंभीर के पास कांतिनगर इलाके से लोगों का एक प्रतिनिधि मंडल आया था। लोगों ने महाराणा प्रताप पार्क के सौंदर्यीकरण व पार्क में अन्य सुविधाएं विकसित कराने का आग्रह किया था। लोगों की बात सुनने के बाद सांसद ने मार्च में उक्त पार्क का दौरा किया और डीडीए अधिकारियों को निर्देश देकर विकास कार्य कराए।

▸▸ पार्क के निरीक्षण के दौरान लोगों से बातचीत करते विधायक अनिल बाजपेयी।

▸▸ सांसद गौतम गंभीर ने पार्क में जाकर समर्थकों के साथ लगाया पौधा।

अमर उजाला

स्पोर्ट्स कांप्लेक्स की तरह होगा महाराणा प्रताप पार्क का विकास

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली का महाराणा प्रताप पार्क अब बेहतर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के रूप में विकसित होगा। गांधी नगर के कांति नगर स्थित इस पार्क को 1.16 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा।

विकास प्राधिकरण के सहयोग से इस पार्क में हाई मास्क फ्लड लाइट, घास, बेंच, रेन वाटर हार्वेस्टिंग, जिम, बच्चों के झूले, वाकिंग ट्रैक जैसी अनेक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। पार्क को बेहतर बनाने का जिम्मा पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर ने उठाया है। उन्होंने कहा कि यह बेहतरीन पार्क होगा। ब्यूरो